

Journ. of the Am. Or. S. 7, 6, Çl. 13. कार्पोन निर्वृते (so die ed. Bomb.) कृत्रिमम् (वैरम्) PAÑKAT. 110, 20. — 3) erfolgen, zu Stande kommen: निर्वृत्स्यन्न चेद्वाता सीतायाः BHATT. 8, 69. निर्वृत्स्यत्पुसंधातः 16, 6. देशो निर्वृत्संग्रामः R. 3, 70, 10. नियोगार्थे निर्वृते M. 9, 62. 61. वाक्यार्थविचारणाध्यवसाननिर्वृता हि ब्रह्मावगतिः ÇAÑK. bei WIND. Sancara 108. नाशे निर्वृत्तम् BHATT. 7, 33. — 4) vollbracht werden, sein Ende erreichen: निर्वृतेतास्य यावद्भिरितिकर्तव्यता नृभिः M. 7, 61. एवं महेत्सवस्तत्र निर्वृते स्म KATHÁS. 23, 86. निर्वृत् fertig, zurechtgemacht KÁTJ. ÇR. 22, 3, 50. ausgewachsen: फल सुÇR. 1, 158, 13. 159, 18. vollbracht, beendet, zu Ende gegangen, vergangen: कार्ये कर्मणि निर्वृते R. ed. Bomb. 5, 41, 5. चूडक M. 3, 67. वैश्वदेव 3, 108. विवाह MBH. 1, 4067. स्वयंवर 3, 2242. देहद MALAV. 80. निर्वृत्तमात्रे दिवसे R. ed. Bomb. 2, 34, 4. ÇĀÑKH. GRHJ. 1, 18, 2, 12. — 5) zurückkehren, fehlerhaft für निर्वृत् MBH. 5, 5361 (निर्वृत्तिये ed. Bomb.). KATHÁS. 26, 114. PAÑKAR. 1, 14, 68. — 6) निर्वृत् fehlerhaft für निर्वृत् MBH. 1, 775 (सुनिर्वृता ed. Bomb.). KĀM. NĪTIS. 4, 20. — Vgl. निर्वृत्ति. — caus. 1) herausbringen, herausschaffen: अङ्गारान् ÇAR. BR. 12, 8, 1, 6. KÁTJ. ÇR. 25, 11, 35. अथ निर्वृत्तियुत्ति शत्रुमंसानि दानवाः fortschaffen, fortbringen HARIV. 13756 nach der Lesart der neueren Ausg. hinauslassen aus (abl.) RĀGA-TAR. 6, 96, wo wohl निर्वृत्तयत् zu lesen ist. — 2) hervorbringen, zu Stande bringen, bewirken: einen Wagen RV. 10, 135, 5. मुखब्राह्मणपादतः । ब्राह्मणां तत्रिये वैश्यं प्रूढं च निर्वृत्तयत् ॥ M. 1, 31. VĀRTI. zu P. 3, 2, 1. ऋते वर्पान्न कैलेय जातु निर्वृत्तयेत्फलम् (लेत्रम्) MBH. 5, 2824. 3, 993. HARIV. 3931. SARVADARGANAS. 22, 1. सर्वभूतिम् R. 4, 29, 8. अभिलापयूपासुखम् MALĀV. 73. मदीयेन शरीरवृत्तिं देहेन निर्वृत्तयितुम् RAGH. 2, 45. ÇAÑK. zu KHĀND. UP. S. 44. BHĀG. P. 1, 17, 25. — 3) vollbringen, vollführen: पितृयज्ञम् M. 3, 122. R. ed. Bomb. 1, 41, 24. क्रियाः RAGH. 11, 30. RĀGA-TAR. 1, 75. समाधिम् MRĀKĪH. 9, 14. मध्याह्नसवनम् KATHÁS. 69, 167. शरीरचित्तम् JĀGĪ. 1, 98. शौचम् MBH. 12, 2. विवाहम् HARIV. 10900. R. 1, 69, 12. R. GORR. 1, 71, 14. RAGH. 3, 33. KATHÁS. 14, 32. 34, 255. नियमाभिषेकम् RAGH. 5, 8. 14, 7. सपर्याम् 16, 39. शिरःप्रक्षेपकार्यम् 15, 103. VIKR. 87, 15. KATHÁS. 20, 98. 220. PRAB. 30, 4. BHĀG. P. 6, 7, 36. 9, 13, 2. 4. BHATT. 6, 142. PAÑKAT. 88, 18. अज्ञानम् Spr. 3686. प्रतिज्ञाम् R. 1, 68, 11. — 4) zu Ende bringen, zubringen: मङ्गलोदये तद्वेदे निर्वृत्तयत् RĀGA-TAR. 3, 247. — 5) erfreuen, zufriedensstellen BHĀG. P. 9, 14, 34. अनिर्वृत्त्य (von 1. वृत् mit निस् ed. Bomb. — Vgl. निर्वृत्तक figg.

— अभिनिस् hervorgehen, sich entwickeln MBH. 10, 79. अभिनिर्वृत् hervorgegangen, entstanden: एतन्नामाभिनिर्वृत्तं तस्य देशस्य MBH. 1, 284. 367. 12, 6930. 14, 2858. SUÇR. 1, 51, 18. ÇAÑK. zu BRH. ĀR. UP. S. 45. 83. Schol. zu P. 6, 4, 126. अनभिनिर्वृत्तत्त्वं zu 6, 1, 101. — Vgl. अभिनिर्वृत्ति. — caus. 1) hervorbringen HARIV. 11817. ÇAÑK. zu BRH. ĀR. UP. S. 83. — 2) vollbringen, vollführen: गुर्वयम् MBH. 14, 1666.

— उपनिस् caus. Etwas erzeugen an SUÇR. 1, 260, 13.

— विनिस्, partic. विनिर्वृत् 1) hervorgekommen, hervorgetreten aus: स्वशरीरादिनिर्वृत्ताश्वत्थार इव वाक्चः R. 2, 1, 5. — 2) zu Ende kommen, beendet JĀGĪ. 2, 31. — 3) fehlerhaft für विनिर्वृत् DRAUP. 4, 3 (MBH. 3, 15613 विनिर्वृत्). MĀRK. P. 134, 58.

— परा 1) sich umwenden, umkehren, den Rücken kehren; zurückkeh-

ren M. 3, 217. R. 7, 48, 24. युद्धात्परावृत्त्य किं पलायसे MBH. 4, 2101. परावृत्त्य स्वमेवाज्ञगमत्तुर्गुह्यम् KATHÁS. 63, 86. MRĀKĪH. 119, 13. ÇĀK. 54, 7, 70, 14, v. l. MĀLAV. 15, 21, 51, 20. KATHÁS. 62, 85. DAÇAR. 1, 59. SĀH. D. 425. परावृत् M. 7, 93. figg. MBH. 3, 11721. 4, 1092. 7, 1254. 7703. 9, 3607. ÇĀK. 72, 1. KATHÁS. 18, 228. 72, 373 (impers.). BHĀG. P. 7, 5, 54. KUSUM. 28, 4. Schol. zu NAISH. 22, 42. अथैवः (d. i. जलैवः) स परावृत्तः प्रतिकूलेन वायुना KATHÁS. 46, 139. उपरि^o nach oben gewandt DAÇAR. 91, 2. अथयं च परावृत्तं प्रवसनाद्गुह्यं दृष्टं zurückgekehrt RĀGA-TAR. 1, 330. रसायनपरावृत्तम् KATHÁS. 40, 72. परावृत्तं यौवनम् PRAB. 40, 16. अपरावृत्तभागधेयं so v. a. Unglücksvogel VIKR. 53, 10. — 2) sich abwenden von: परावृत्तधियो स्वलोकात् BHĀG. P. 11, 22, 32. तत्रतः परावृत्तधियः 33. abstehen von: परावृत्त्य मरणात् KATHÁS. 59, 114. — 3) schwinden, vergehen: परावृत्तार्थरात्र R. 5, 13, 23. परावृत्तगुणधमं BUĀG. P. 3, 33, 27. — 4) परावृत्त sich wälzend AK. 2, 8, 2, 18. n. das Sichwälzen H. 1245. — 5) परावृत्त Z. d. d. m. G. 7, 311 fehlerhaft für परावृत्त. — Vgl. परावृत्त figg. und परावृत्त fig. — caus. bei Seite wenden: परा कृ पत्स्युरे क्य नरो वर्तयथा गुरु RV. 1, 39, 3. umkehren lassen MBH. 7, 9201 (परिवर्तय ed. Bomb.).

— परि 1) sich drehen, sich in einem Kreise bewegen; umwandeln: चक्रम् RV. 1, 164, 13. कालश्चक्रवत्परिवर्तमानः सुÇR. 1, 19, 20. चक्रवत्परिवर्तितम् MBH. 13, 2360. मुखदुःखे — चक्रवत्परिवर्तितः Spr. 3264. चक्रवत्परिवर्तिते दुःखानि च सुखानि च 3261. MBH. 4, 607. एवं संसारचक्रस्य परिवृत्तं विदुर्बुधाः 11, 162. रथचक्रः परिर्वर्तते रजः RV. 4, 36, 1. ÇAT. BR. 12, 3, 2, 7. 14, 7, 2, 20. रथसकृन्नाणि पर्यवर्तत MBH. 3, 12230. सौरौ रथः BHĀG. P. 5, 21, 12. ज्योतीषि चन्द्रसूर्यौ च परिवर्तन्ति नित्यशः MBH. 5, 5836. अथो विवस्वान्परिवर्तमानः KUMĀRAS. 1, 16. परिवर्तते मेदिनी MBH. 14, 118. GAÑITĀDHJ. KAKSHĀDHJ. 4. वज्रः समन्तात्परिवर्तमानः BHĀG. P. 6, 12, 33. परिवर्तम् im Kreislauf PAÑKĀV. BR. 2, 2, 2. यस्मात्प्रपञ्चः परिवर्तते ऽयम् ÇVETĀÇV. UP. 6, 6. वेदिम् ÇĀÑKH. ÇR. 17, 13, 4. देवम् BHĀG. P. 3, 4, 20. sich wälzen: भूमौ R. 6, 94, 10. 76, 44 (act.). परिवृत्तोर्मि rollend 3, 60, 19. 5, 93, 20 (सधूमः zu lesen). 6, 86, 41. परिवृत्तनेत्र 2, 63, 46. 6, 12, 2. 39, 16. परिवृत्तार्गलं umgedreht HARIV. 3485. — 2) umherreisen: जनपदे ÇAT. BR. 14, 5, 1, 20. umhergehen, hinundhergehen, sich tummeln, sich hinundherbewegen MBH. 4, 2014. 6, 2809. 8, 3364. 14, 228. 1396. HARIV. 5794. R. 1, 9, 42. BHĀG. P. 5, 14, 5. खेचरः MBH. 1, 1498. नभसि यथा मेघाः श्वेनाद्यो वायुवशाः परिवर्तन्ते BHĀG. P. 5, 23, 3. वरुणमूर्त्रं पुरीषं चाप्यपानः (so die ed. Bomb.) परिवर्तन्ते MBH. 12, 6874. प्राणो ऽस्य प्रथमं स्थानं वर्धयन्परिवर्तते (परिवर्धते die ältere Ausg.) HARIV. 2188. वनवासस्पृहा नित्यं हृदि मे परिवर्तते R. GORR. 2, 29, 9. तस्याश्च भर्ता दिग्गुणं हृदये परिवर्तते R. SCHL. 1, 77, 27. अयमानकृतः क्रोधो महान्मे (sc. हृदि) परिवर्तते 4, 34, 31. परिवृत्ततेजस् nach allen Seiten verbreitet BHĀG. P. 1, 11, 35. — 3) sich umwenden, sich umkehren: पृष्ठतः MBH. 1, 7704 (act.). 4, 2107. युद्धाय HARIV. 10587. R. 4, 37, 25. MRĀKĪH. 81, 16. RAGH. 4, 72. VIKR. 12, 18. MĀLAV. 17, 7. Spr. 1230. SĀH. D. 60, 9. KATHÁS. 64, 35. RĀGA-TAR. 4, 429. PAÑKAT. 159, 21. HIT. 47, 19, v. l. 58, 11. यदा च सर्वभूतानां कायान् परिवर्तते । अपराह्णगते समये HARIV. 12803. परिवृत्तं MBH. 7, 3248. परिवृत्तार्थमुखी VIKR. 17. अपसव्यं^o VARĀH. BRH. S. 30, 9. परिवृत्तो हि भगवान्सकृन्नाशुर्दिवाकरः MBH. 13, 7731 (vgl. 7702). प्रियया तदङ्गपरिवृत्तमाश्रुयाम् MĀLATĪM. 76, 10. सुजातवाङ् पाÑKĀR. 3, 5, 12. किरीटं umgedreht